प्रपत्र - 26

कार्यालय भूवैज्ञानिक

भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड
जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी।

पत्रांक : 1176/टा0फो0नैनी0/भवन/2021–22 दिनांक : 24.12.2021

सेवा में,

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी,
हल्द्वानी, जनपद नैनीताल।

विषय: **मा0 मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 309/2020 के अन्तर्गत शहीद स्मारक जड़ सैक्टर बिन्दुखत्ता में शहीद स्मारक में लगी हुई वन विभाग की एक बीघा भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।**

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक 112/मा0मु0मं0घो0/सै0क0/2021–22, दिनांक 22 अक्टूबर 2021 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोन्त प्रकरण में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराये जाने के उपरान्त, प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 15.11.2021 को कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या सं0 31, संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक

1. निरीक्षण आख्या।

भवदीय

(लेख राज)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक

सं0 /उपरोक्तानुसार/तद्दिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित :–

1– जिलाधिकारी नैनीताल।
2– निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।

(उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक)

निरी0आ0 सं0 31 /टा0फो0नैनी0/भवन/2021–22

कार्यालय भूवैज्ञानिक, भूतत्व एंव खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स, नैनीताल स्थित हल्द्वानी।

मा0 मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 309/2020 के अन्तर्गत शहीद स्मारक जड़ सैक्टर बिन्दुखत्ता में शहीद स्मारक में लगी हुई वन विभाग की एक बीघा भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावनाः–

उपरोक्त विषयक जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास अधिकारी, हल्द्वानी जिला नैनीताल उत्तराखण्ड के पत्रांक 112/मा0मु0मं0घो0/सै0क0/2020–21, दिनांक 22 अक्टूबर 2021 के माध्यम से सन्दर्भित उपरोन्त प्रकरण में आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराये जाने के उपरान्त, प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 15.11.2021 को कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत् हैः–

स्थितिः–

प्रस्तावित स्थल, लालकुंआ–पन्तनगर मोटर मार्ग के पूर्व की ओर, बिन्दुखत्ता को जाने वाले मोटर मार्ग के उत्तर की ओर स्थित है। प्रस्तावित स्थल वर्तमान में एक खुला उबड खाबड भूभाग है जिसमें स्वस्थानिक प्रजाति की झाड़ियां तथा कुछ वृक्ष विद्यमान हैं। स्थल के पूर्व की ओर खुला समतल भूभाग स्थित है। स्थल के उत्तर की ओर, धारक दीवार के बाद सघन वृक्षाच्छादित भूभाग अवस्थित है। स्थल के पश्चिम की ओर एक बरसाती नाला तथा उसके बाद कुछ आवासीय भवन स्थित हैं। स्थल के दक्षिण की ओर लालकुआं से बिन्दुखत्ता को जाने वाला मोटर मार्ग तथा उसके बाद सेंचुरी पेपर मिल का परिसर स्थित है। स्थल के दक्षिण की ओर स्थित मोटर मार्ग का समरेखण 110^0–290^0 है। स्थल के पश्चिमी किनारे पर स्थित बरसाती नाले का स्थल के निकट समरेखण तथा बहाव की दिशा उत्तर से दक्षिण की ओर है। निरीक्षण के समय उक्त नाले में जल प्रवाहित होते हुए पाया गया। कार्यदायी विभाग द्वारा प्रस्ताव के साथ उपलब्ध कराये गये मानचित्र/अभिलेखों के अनुसार प्रस्तावित भूमि तराई पूर्वी वन प्रभाग हल्द्वानी, आरक्षित वन क्षेत्र लालकुआं ब्लॉक में वन निगम के डिपो नं0 1 के अन्तर्गत स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 0.063 है0 है। वन विभाग की आख्या के अनुसार स्थल पर कुल 07 वृक्ष (नीम–1, बहेड़ा–1, वेकेलिपटिस–4) स्थित हैं। चयनित स्थल मोटर मार्ग से लगभग 0.5 मीटर कम ऊंचाई वाले भूभाग में अवस्थित है, जिसे विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

आवेदित स्थल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के टोपो शीट सं0 **53 O/12** के अन्तर्गत आता है। स्थल समुद्र तल से लगभग 256 मीटर की ऊंचाई पर तथा निम्न अक्षासं व देशान्तर पर स्थित है :–

उत्तर	29^0	04′	03.5″	अक्षासं
पूर्व	79^0	31′	16.2″	देशान्तर

भूगर्भीय संरचनाः–

स्थल की सतह पर स्वस्थानिक चट्टानों का पूर्णतया अभाव है। स्थल की सतह पर मोटे कणों वाली भूरे रंग की मृदा का आवरण है। भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से यह सम्पूर्ण क्षेत्र हिमालय पर्वत श्रंखला के दक्षिणी भाग में स्थित बाह्य हिमालय के गिरीपाद में स्थित है जो हिमालय पर्वत श्रंखला से निकलने वाली गोला नदी व अन्य नदियों द्वारा कालान्तर में अपने साथ बहाकर लाये गये नदीय अवसादों के स्थल पर निक्षेपित करके कठोर हुये भाग से निर्मित हुआ प्रतीत होता है जो वर्तमान में स्थिर हो गया है। प्रस्तावित स्थल एक जलोड़ पंख के मध्य स्थित है। स्थल पर भाबर–तराई क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना व्याप्त है। स्थल पर नीचे की ओर विभिन्न प्रकार की चट्टानों के कोबेल व पैबल के अधिक मात्रा में स्थित होने की प्रबल सम्भावना है। प्रस्तावित स्थल के पूर्व की ओर लगभग 03 किलामीटर की क्षैतिज दूरी पर गोला नदी स्थित है जिसका समरेखण तथा बहाव

उत्तर–पश्चिम से दक्षिण–पूर्व की ओर है। स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में ढलाने दृष्टिगोचर नही होती हैं तथा स्थल लगभग समतल है जबकि क्षेत्रीय स्तर पर स्थल तथा स्थल के निकटवर्ती क्षेत्र में सामान्य ढलाने क्रमिक हैं जिनकी दिशा दक्षिण की ओर हैं। सम्पूर्ण स्थल एक बंजर भूभाग है जिसमें स्वस्थानिक प्रजाति की झाड़ियां तथा कुछ वृक्ष आदि अवस्थित हैं। स्थल पर एवं स्थल के निकटवर्ती भाग में कोई अधिक ढालदार क्षेत्र आदि दृष्टिगोचर नहीं होता है। स्थल के पश्चिमी किनारे पर एक बरसाती नाला स्थित है जिसका समरेखण तथा बहाव की दिशा उत्तर से दक्षिण की ओर है। प्रस्तावित स्थल/क्षेत्र भारतीय सीजमिक मानचित्र मे सक्रिय भूकम्पीय पट्टी IV (हाई डैमेज रिस्क जोन) मे वर्गीकृत किया गया है जहॉ स्थल अधिकांशतः लघु से मध्यम व यदाकदा वृहद तीव्रता के भूकम्पन्नों से प्रभावित हो सकता है। निरीक्षण के समय स्थल के अन्तर्गत किसी प्रकार के दबाव व भूधंसाव की स्थिति दृष्टिगोचर नहीं होती है तथा स्थल वर्तमान में स्थिर (प्राकृतिक आपदा को छोड़कर) प्रतीत होता है।

निष्कर्षः–

प्रथम दृष्टया निरीक्षण में प्रस्तावित स्थल, भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से सन्दर्भित प्रयोजन हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है। कार्यदायी विभाग द्वारा प्रस्ताव के साथ स्थल पर प्रस्तावित नव संरचनाओं के निर्माण के सम्बन्ध मे कोई मानचित्र/अभिलेख, प्रस्तावित भवनो के आकार व ऊंचाई तथा क्षेत्र में उनकी स्थिति के सम्बन्ध में कोई अभिलेख आदि उपलब्ध नही कराये गये है। स्थल पर प्रस्तावित नव संरचनाओं/भवनो के आकार व ऊंचाई तथा क्षेत्र में उनकी स्थिति निर्धारित होने पर, नव संरचनाओं के सुरक्षित निर्माण हेतु भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से सुझाव व संस्तुतियां लिया जाना तथा उनके अनुरूप निर्माण किया जाना उचित होगा।

(लेख राज)
उपनिदेशक/भूवैज्ञानिक